गोलालारीय समाज का मुखपत्र

golalariya.darshan@gmail.com
गोलालारीय दर्शन यहां भी देख सकते है –
www.golalariya.com

मासिक
गोलालारीय दर्शन

अपनों के साथ अपनी बातें

RNI No. MPHIN/2008/26873
No. MP/ICD/1252/2015-2017 सेवा में,

प्रतिभाशाली विशेषांक

जो भरा नहीं है भावों से, बहती जिसमें रसधार नहीं । हृदय नहीं वह पत्थर है, जिसको समाज से प्यार नहीं ।

वर्ष : 7 अंक : 9 पृष्ठ संख्या : 8 माह – 15 जुलाई 2016 सहयोग राशी – आजीवन सदस्य बनें ।

आपके अथक परिश्रम से समाज गौरवांवित हुआ -

पारस जैन, गंजबासौदा
प्रमिला अजय जैन
GATE परीक्षा में
आल इंडिया 69 रैंक

प्रांजल जैन, गंजबासौदा
अनीता प्रणय जैन 12वी – 83.4%
बोर्ड–पीसीएम JEE Mains में 193
Advance परीक्षा में 4511 रैंक

रिया जैन, ललितपुर
सुधा अशोक जैन, 12वी – 93.8%
बोर्ड–पीसीएम
विदिशा जिले में प्रथम

आकृति जैन, बुलंदशहर
ज्योति पुष्पदंत जैन
12वी – 93.8%
सीबीएसई–बायोलॉजी

हम साथ साथ हैं -

हमारे नौनिहालों ने चूम लिया सफलता का शिखर । इन होनहार बालक, बालिकाओं ने जिन ऊंचाईयों को छुआ है वो न केवल माता पिता और उनके परिवार के लिए प्रसन्नता का अवसर है वरन् पूरा जैन समाज भी गौरवान्वित हुआ है । इस सफलता के लिए गोलालारीय दर्शन परिवार की ओर से सभी को अनेक शुभकामनाएं और बधाईयां । ये सच है कि बच्चों के लिए यह सफलता उनकी मंजिल नहीं वरन् एक पड़ाव है, जीवन का एक सुखद मोड़ है, जहां कुछ देर सफलता रूपी छाया में विश्राम कर सके । किन्तु आगे की एक लम्बी और कठिन यात्रा पर उन्हें चलते जाना है जब तक कि मंजिल नहीं मिल जाती ।

सफलता का यह सफर अत्यंत कठिन और चुनौतीपूर्ण होता है । पग पग पर नई नई समस्याएँ, परेशानियां सामने आती है । समय के साथ प्रतियोगिता भी बढ़ रही है, विभिन्न संस्थानों में प्रवेश के लिए कट आफ लिस्ट ऊंची होती जा रही है । हर संस्थान सर्वश्रेष्ठ का चुनाव चाहता है, लिहाजा विद्यार्थियों का लक्ष्य कठिन से कठिनतर होता जा रहा है, संघर्ष भी उसी अनुपात में बढ़ रहा है । बारहवीं कक्षा उत्तीर्ण करते ही हर छात्र देश के श्रेष्ठ शिक्षा संस्थान में उच्च अध्ययन करने का सपना देखने लगता है किन्तु ऐसे मुट्ठी भर संस्थानों में सीमित प्रवेश से विद्यार्थियों में संघर्ष बढ़ जाता है । प्रतिस्पर्धा के इस संघर्ष में बच्चे ही नहीं माता पिता और पूरा परिवार भी शामिल हो जाता है । हर तरह के प्रयास किये जाते है ताकि बच्चा सफल हो सके और इसीलिये ये सफलता किसी एक की नहीं वरन् पूरे परिवार की सफलता होती है ।

परीक्षा परिणाम आते ही सफल हुए बच्चों का यशगान, सम्मान होता है किन्तु सभी बच्चे सफल हो ये जरूरी नहीं । कुछेक सफल चेहरों के पीछे असफल भीड़ छुपी होती है । इनकी असफलता की अनेक वजह हो सकती हैं परन्तु मुख्य बात यह है कि यह परीक्षा जीवन की अंतिम परीक्षा नहीं जिसमें असफल होने से सबकुछ खत्म हो गया समझें, न ही यह जीवन से अधिक मूल्यवान है और न ही यह अंतिम अवसर है । सबसे जरुरी यह विचार करना है कि हमारा जीवन सबसे अधिक मूल्यवान है इसे हम किसी भी कीमत पर नहीं खो सकते । और अवसर तो हमेशा आते ही रहेंगे, शायद इससे भी अच्छा अवसर हमारी प्रतीक्षा कर रहा हो । तो क्यों न हम स्वयं को उसके लिए तैयार करें और पूरे दमखम से जुट जाएं अगली परीक्षा के लिए । बालक के इस कठिन समय में माता पिता और परिवार के अन्य लोग भी उसके साथ रहें, उसकी हौसला अफजाई करें, उसे निराशा के गर्त में डूबने से बचाएं, उसे अकेला न छोंड़े, हिम्मत दें, आगे बढ़ने की प्रेरणा दें तो यह कठिन समय आसानी से गुजर जायेगा । आने वाले समय में बच्चा दुगुने उत्साह से मेहनत कर अवश्य ही सफल होगा ।

एक बहुत आवश्यक बात माता पिता के लिए, कि बच्चों पर किसी प्रकार का दवाब न डाले । उन्हें स्वाभाविक रूप से पढ़ने दे । अपनी महत्वाकांक्षा बच्चों पर न लादे, न ही उन्हें रेस का घोड़ा समझकर दौड़ाने का प्रयास करें । बच्चे की रूचि और योग्यता के अनुसार करियर चुनने में उसकी मदद करें न कि आप उसका करियर स्वयं निश्चित करें । बच्चे की योग्यता के बारे में कोई गलतफहमी न रखें, उसकी क्षमताओं का सही आकलन करते हुए ही निर्णय करें । अन्य सफल बच्चे से ही उसकी तुलना कर ताना न दे । किसी विशेष विषय या करियर को लेकर बहुत अधिक उम्मीद न रखें । आजकल हर क्षेत्र में बहुत स्कोप है अत: किसी अंधी दौड़ में बच्चों को दौड़ने के लिए मजबूर न करें । अपनी रूचि का विषय चुनने पर बच्चा उस विषय को गंभीरता पूर्वक पढ़ेगा और इसका परिणाम भी उत्तम होगा । अपने बच्चों पर ध्यान दें, उनकी दिनचर्या पर नजर रखें । यदि किसी बात को लेकर वह परेशान है तो जानने का प्रयास करें । परीक्षाओं के समय सजग रहे और बच्चे की मानसिक स्थिति का निरीक्षण करते रहें । तनाव की स्थिति में बच्चे को अकेला न छोड़े । समय समय पर उसे एहसास कराते रहे कि आप हर परिस्थिति में बच्चे के साथ है ताकि वह पुन: अपने आप को संभाल सके और आगे बढ़ सके । माता पिता के लिए भी यह समझना जरूरी है कि स्कूल के ग्रेड या अंकों के लिए बच्चे पर अनावश्यक दवाब न डाले । बच्चे के भावी जीवन में यह इतने महत्वपूर्ण नहीं होते । आज हमारे पास कितने ही सफल लोगों के उदाहरण हैं जो अपने स्कूली जीवन में इतने सफल नहीं रहे किन्तु आगे जाकर बड़ी बड़ी सफलताएं अर्जित की । तात्पर्य यह कि यदि आज बच्चा अच्छे ग्रेड्स या अंक प्राप्त नहीं कर पा रहा तो इससे उसे हमेशा के लिए असफल मान लेना सही नहीं है । जरूरत है कि आप ऐसे समय बच्चे के साथ रहे, उसे मानसिक संबल दे, आश्वस्त करें कि हर परिस्थिति में आप उसके साथ हैं । आपके लिए अपना बच्चा किसी सफलता–असफलता से ज्यादा मूल्यवान है । उसे हम किसी भी कीमत पर खो नहीं सकते, तभी हम अपने बच्चों में आत्मविश्वास भर सकेंगे जो कि सफलता की कुंजी है । तो आईये सफलता का जश्न मनाते हुए सभी बच्चों को प्रोत्साहित करते हैं ताकि हम सब मिलकर आगे बढ़े और सफलता का परचम लहराएँ ।

– अनुपमा जैन, सहसंपादिका

इन्दौर, मालवा व निमाड़ की पारिवारिक निर्देशिका 'प्रयास' के प्रकाशन का कार्य अंतिम दौर में पहुंच गया है । आपके द्वारा भरी गयी जानकारी का प्रूफ डाक द्वारा आपको प्रेषित किया जा चुका है । यदि उसमें कोई त्रुटि है तो उसे सही कर 31 जुलाई 2016 तक समाज कार्यालय पर शीघ्र भेजें । जिन परिवारों ने अभी तक जानकारी नहीं दी है उनके लिए पारिवारिक जानकारी देने का अंतिम समय 31 जुलाई 2016 रहेगा । जानकारी के अभाव में पूर्व जानकारी के साथ पत्रिका में प्रकाशन किया जावेगा ।

गोलालारीय दर्शन समाज के 4500 परिवारों तक नियमित भेजा जा रहा है । संभव है डाक व्यवस्था या आपका पता सही न होने के कारण पत्रिका आपको व आपके रिश्तेदारों तक पत्रिका नहीं पहुंचती है तो उनका नाम व पता पोस्टकार्ड पर लिखकर पत्रिका कार्यालय पर भेज देवें या 9424013136 पर दोप. 4 से रात्रि 10 तक संपर्क कर सकते है या अपने पता का एसएमएस कर सकते है ।

परामर्श प्रमुख

श्री कैलाशचंदजी जैन, झाँसी
श्री जिनेन्द्रकुमारजी जैन, अहमदाबाद
डॉ. श्रेयांस कुमार जैन, बड़ौत
डॉ. कपूरचंद जैन, खतौली

प्रधान संपादक
सिंघई राजेन्द्र जैन, 9407453066

सह संपादिका
श्रीमती अर्चना अजय जैन, 9827796013
श्रीमती अनुपमा रजनीश जैन, 9009066884

कोषाध्यक्ष -
सुधेश कुमार जैन, 9827254111

प्रबंध संपादक
राजेन्द्र कुमार जैन, सायकलवाले, 9425353972
खुशालचन्द जैन, 9302123879
कोमलंचद जैन, 9329524227

(संयोजक एवं प्रकाशक)
बाहुबली जैन, 9827247847

शिरोमणि संरक्षक, परम संरक्षक अपना संक्षिप्त परिचय सपत्नीक फोटो सहित एवं संरक्षक तथा विशेष सहयोगी सदस्य अपना संक्षिप्त परिचय फोटो सहित भेजे ताकि प्रकाशन किया जा सके।

सदस्यता शुल्क

शिरोमणि संरक्षक (अ.जा.)	21000/-
परम संरक्षक (अ.जा.)	11000/-
संरक्षक (अ.जा.)	5100/-
विशेष सहयोगी (अ.जा.)	2100/-
आजीवन शुल्क (अ.जा.)	1100/-
सहयोग राशि	500/-

आप 'गोलालारीय दर्शन' के बैंक खाते में सहयोग राशि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के खाता क्रं. 63048875855 IFSC Code: SBIN0030134 में चेक द्वारा ही जमा कर स्लीप की फोटोकॉपी व अपना नवीन फोटो मय जानकारी के हीरालाल एण्ड संस, 16 महारानी रोड व कार्यालय पते पर अवश्य भेजें ताकि आपको रसीद भेज कर आपका विवरण प्रकाशित किया जा सके। नोट - 8 मार्च 2014 से अन्य शहरों से जमा की जाने वाली राशी पर बैंक शुल्क न्यूनतम 50 रु. कर दिया है।

अत: बायोडाटा शुल्क मल्टीसिटी चेक के द्वारा ही पत्रिका के पते पर भेजे।

विज्ञापन दर (कलर)

अंतिम पेज	15000/-
फुल पेज (अंदर)	11000/-
1/2 पेज	5000/-
1/4 पेज	3000/-
मांगलिक बधाई फोटो सहित	3000/-
शोक संदेश फोटो सहित	1000/-
बॉयोडाटा फोटो सहित	200/-

बायोडाटा, समाचार व अन्य कोई जानकारी पत्रिका में प्रकाशित करने हेतु गोलालारीय दर्शन 64, न्यू देवास रोड़, इन्दौर अथवा श्री राजेन्द्रकुमार जैन हीरालाल एण्ड संस, 16 महारानी रोड़, इन्दौर पर भेंजे।

मुनि श्री समकित सागर जी महाराज का 25 वाँ समाधि दिवस श्रद्धापूर्वक मनाया

शांतिकुमार जैन, गंजबासौदा। मुनि श्री समकित सागर जी महाराज का 25वां समाधि दिवस 26 जून 2016 जैन नसियाँ, भिण्ड में श्रद्धापूर्वक मनाया गया। मुनि श्री समकित सागर जी महाराज का गृहस्थ जीवन गंज बासौदा (विदिशा) म.प्र. में व्यतीत हुआ। आपका जन्म सिलगन (ललितपुर) उ.प्र. में हुआ था। अल्प आयु में ही आपके सिर से पिता का साया उठ गया था। आपके गृहस्थ जीवन की पाँच पुत्र व दो पुत्रियाँ है। मुनि श्री के गृहस्थ जीवन का नाम पं. सुन्दरलालजी शास्त्री था। आपने आचार्य देशभूषणजी से वर्ष 1977 में दूसरी प्रतिमा एवं वर्ष 1979 को तीसरी प्रतिमा व्रत मुनिश्री श्रेयांससागरजी वर्धा वालों से लिया था। 3 जनवरी 1982 को राजस्थान में आचार्य धर्मसागरजी महाराज से 7वीं प्रतिमा ब्रह्मचर्य के व्रत अंगीकार किया व वर्ष 1984 में आचार्य धर्मसागरजी महाराज के अजमेर चातुर्मास में 4 अक्टूबर को मुनि दीक्षा ग्रहण की और इस तरह पं. सुन्दरलालजी शास्त्री से आपका नाम मुनि श्री समकितसागरजी महाराज हो गया। आप बचपन से ही धार्मिक सतयुगी शांत एवं सरल स्वभाव के थे। आपकी तीर्थ वन्दना में काफी रुचि रही है आपकी 26 जून 1991 में जैन नसियाँ, भिण्ड में समाधि हुई। मुनि श्री जी के समाधि दिवस पर पुत्रों द्वारा भिण्ड की जैन नसियाँ में अभिषेक, शांतिधारा, शांति विधान कर विनयांजलि समर्पित की। 25 वें समाधि दिवस के अवसर पर जैन नसियाँ, भिण्ड में नव निर्मित संत निवास के लिए मुनि श्री के गृहस्थ जीवन की धर्मपत्नि श्रीमति कमलाबाई व उनके सुपुत्रों के द्वारा 51 हजार रुपये की राशि संत निवास में एक कमरा निर्माण करने हेतु प्रदान की गयी। यहीं पर वर्ष 2003 में मुनि श्री समकित सागर जी महाराज के चरण स्थापित करने व छत्री का निर्माण भी आपके परिवार द्वारा कराया गया था।

श्रुत पंचमी साआनंद संपन्न

विशाल जैन, पवा। नगर के पारसनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में श्रुतपंचमी महापर्व आचार्य प्रवर विद्यासागरजी महाराज की परम प्रभावक शिष्या आर्यिका रत्न 105 पूर्णमति माताजी के ससंघ मंगलमय सान्निध्य में मनाया गया। सुबह नित्य अभिषेक पूजन के उपरांत आत्म कल्याण एवं विश्व शांति की पावन भवना के साथ शांतिधारा एवं ज्ञानवर्धक श्रुत स्कंध विधान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आर्यिका पूर्णमति माताजी ने कहा कि श्रुत का आशय तल्लीन होकर सुनना है, सत् साहित्य सुनने से बुद्धि का मार्ग प्रशस्त होता है, स्वाध्याय से विवेक जागृत होता है। माताजी ने श्रुत पंचमी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमें उच्चारण नहीं उच्च आचरण करना चाहिए क्योंकि चर्चा नहीं हमारी चर्या महत्वपूर्ण है, जहां सच्चे संत होते हैं, वहां सतयुग होता है। नश्वर जीवन में शाश्वत सुख को पाने के लिए स्वाध्याय बहुत जरूरी है, टीवी, इंटरनेट से संवेदनशीलता और संस्कार नष्ट होते जा रहे है। सच्चे साधु कभी देवों से याचना नहीं करते वह तो आत्म कल्याण की साधना करते हैं। माताजी ने पुष्पदंत और भूतबलि मुनिश्वर के षट्खण्डागम ग्रंथ की रचना से संदर्भित कथा सुनायी जो श्रुतपंचमी के दिन पूर्ण हुआ था। अंत में मां जिनवाणी की भव्य शोभा यात्रा निकाली गयी जिसमें तैलीय चित्रों की झांकी के पीछे आर्यिका संघ, बग्गी में सवार धर्मग्रंथों को लेकर श्रद्धालु एवं सत्य अहिंसा के नारे लगाते हुए धर्मावलम्बी चल रहे थे। जुलूस बाजार से डाकखाने के रास्ते रामलीला मैदान से होता हुआ वापस मंदिर पहुंचा। संजय नीरजा चौधरी ने आर्यिका माताजी को शास्त्र भेंट किया। सायंकाल की बेला में गुरुभक्ति, मंगल आरती, प्रश्न मंच के बाद शास्त्र सजाओ एवं फैन्सी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। संचालन पूर्व पार्षद चक्रेश जैन एवं आभार व्यक्त राजीव मिठ्या ने किया।

बधाईयाँ

वीरांगना लक्ष्मीबाई बलिदान दिवस पर ''बुंदेलखण्ड विकास परिषद'' झाँसी के गरिमामय समारोह में संसद श्री भागीरथ प्रसादजी ने पत्रकार **श्री प्रवीण कुमार जैन** (दैनिक विश्व परिवार) को वर्ष 2016 के लिए **''बुंदेलखंड गौरव''** से सम्मानित किया।

संस्कारधानी जबलपुर की साहित्यिक सांस्कृतिक एवं सामाजिक संस्था वर्तिका द्वारा मंडला निवासी **श्रीमति अर्चना जैन** को उनके द्वारा काव्य जगत में किए गए उल्लेखनीय योगदान के लिए **''वर्तिका राष्ट्रीय काव्य गौरव अलंकरण''** से विभूषित किया गया है आपकी इस उपलब्धि पर गोलालारीय दर्शन परिवार की और से हार्दिक शुभकामनाएं।

श्रीमति अंकिता संजय पवैया को उनके अंग्रेजी साहित्य में किए गए शोध पत्र fiction of Arun joshi a study in contemporary issues पर बरकत्तउल्ला विश्व विद्यालय भोपाल द्वारा पी. एच.डी उपाधि प्रदान की गई है

शतरंज खिलाड़ी **कु. नित्यता जैन** को उनकी उपलब्धियों के लिए माँ प्रभादेवी सम्मान से सम्मानित किया गया। भोपाल में आयोजित जन परिषद के कार्यक्रम में पश्चिम बंगाल के राज्यपाल केसरीनाथ त्रिपाठी ने प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर सेंसर बोर्ड के अध्यक्ष पहलाज निहलानी, मिसेज यूनिवर्स रुबी यादव, अंतर्राष्ट्रीय नृत्यांना रानी खानम उपस्थित थे।

गुजरात के सूरत में 2 जून को आयोजित राज्य स्तरीय टेनिस स्पर्धा में **मा. मनन जैन** ने अंडर-12 वर्ग में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। मा. मनन श्री जिनेन्द्र कुमार जैन ''दुमदुमा'' के पौत्र व श्री प्रवीण शलिनी जैन अहमदाबाद के सुपुत्र है।

गोलालारीय दर्शन परिवार की ओर से हार्दिक बधाईयाँ।

गोलालारीय दर्शन परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएँ....

परी, गंजबासौदा
भारती विजय जैन
1ली - ए+

हर्ष, गंजबासौदा
नवनीता संजीव जैन
1ली - ए+

पाखी, गंजबासौदा
नीतू पवन जैन
1ली - ए+

अतिशय, इन्दौर
नीलम राजीव जैन
1ली - 9.2 सीजीपीए

आदि, इन्दौर
अमिता संजीव जैन
1ली - ए2

खुशी, गंजबासौदा
भारती पंकज भंडारी
1ली - ए

चेतन्या, इन्दौर
रौशनी रुपेश जैन
1ली - ए

आस्था, गंजबासौदा
मेनका मनोज जैन
1ली - ए

सिद्धि, गंजबासौदा
मंजिली मनीष भंडारी
1ली - ए

लब्धि, झांसी
सविता जैन
1ली - ए

अवधि, इन्दौर
सीमा नवीन जैन
2री - 9.8 सीजीपीए

विदेश, इन्दौर
रेशू निशांत जैन
2री - ए+

नेहल, गंजबासौदा
रेशू सचिन जैन
2री - ए+

अनुभव, गंजबासौदा
प्रीति संजय जैन
2री- ए+

अर्चिता, गंजबासौदा
सरिता राजेन्द्र जैन
2री - ए+

चारु, गंजबासौदा
सुनीता शैलेन्द्र जैन
2री - ए+

महक, विदिशा
मोहिनी राकेश जैन
2री - ए

अक्षत, इन्दौर
श्वेता अनंत जैन
2ली - ए

सौम्या, गंजबासौदा
सारिका प्रदीप जैन
2री - ए

मेरु, गंजबासौदा
सारिका विकास जैन
2री - ए

भाषित, इन्दौर
श्वेता सुशील जैन
2री - बी1

अक्षरा, ललितपुर
मालती आशीष जैन
2री - 94.88%

दीर्घा, इन्दौर
हेमा सचिन जैन
2री - ए+

अक्षिता, इन्दौर
सोनू महेन्द्र जैन
3 री - ए+

अर्चिशा, इन्दौर
प्रीति आनंद जैन
3 री - ए++

विदित, इन्दौर
रजनी आशीष जैन
3 री - ए+

अर्चिनी, इन्दौर
प्रीति आनंद जैन
3 री - ए++

पावन, इन्दौर
प्रीति संदीप जैन
3 री - ए1

अनन्या, गंजबासौदा
राखी सिद्धार्थ जैन
3 री - ए+

रिद्धिमा, झांसी
ज्योति दीपक जैन
3 री - 93.5%

अक्षत, लिधौरा
चन्द्ररेखा अखिलेश जैन
3 री - 94%

अंशिका, इन्दौर
अमिता संजीव जैन
3 री - ए2

रिशिता, गंजबासौदा
रेणू मुकेश जैन
3 री - ए

आदित्य, गंजबासौदा
ज्योति अमित जैन
3 री - ए

आर्या, ललितपुर
नेहा अभिषेक जैन
3री - 96%

तीर्थेश, इन्दौर
रौशनी रुपेश जैन
3 री - 8.4 सीजीपीए

विज्ञा, झांसी
बाहुबली जैन
3 री - बी1

संचिता, इन्दौर
जितेन्द्र जैन
4 थी - ए++

आशीष, -
सपना जैन
4 थी - 99.25%

अनवी, उज्जैन
आशीष जैन
4 थी - ए1

कशिश, इन्दौर
आराधना नीलेश जैन
4 थी - ए

अनन्य, अहमदाबाद
रश्मि-डॉ. आलोक जैन
4 थी - ए

पंखुडी, गंजबासौदा
नीतू पवन जैन
4 थी - ए

तान्या, गंजबासौदा
मीनू अनिल जैन
4 थी - ए

प्रेक्षा, इन्दौर
रक्षा प्रवीण जैन
4 थी - ए

यश, गंजबासौदा
मोहिनी नीतेश जैन
4 थी - ए

पारस, झांसी
सविता नवीन जैन
4 थी - बी1

निशित, भुज
सपना आशीष जैन
5वी - 99.25%

आशी, गंजबासौदा
रानू संजय जैन
5वी - ए+

प्रकाशित अंक में विद्यार्थियों की योग्यता कक्षा 1 से 5 तक 90 % या ए2 ग्रेड, कक्षा 6 से 8 तक 80 % या बी1 ग्रेड, कक्षा 9 से स्नातकोत्तर या प्रोफेशनल कोर्सेस में 70 % / बी2 ग्रेड या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी के आधार पर सूची तैयार की गयी है।

प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के लिए हमने जो योग्यता निर्धारित की थी, उसके आधार पर ही प्रतिभाओं का चयन किया गया है। समय सीमा पश्चात् भेजी गयी अंकसूचियों को स्थान नहीं दिया जा सका है।

गोलालारीय दर्शन परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएँ...

पर्व, गंजबासौदा
शिल्पा पंकज जैन
5वी – ए+

अपूर्वा, गंजबासौदा
भारती पंकज जैन
5वी – ए

सलोनी, गंजबासौदा
शिवानी सुरेन्द्रकुमार जैन
5वी – ए

शाश्वत, गंजबासौदा
प्रीति नवीन भंडारी
5वी – ए

कृतिका, गंजबासौदा
कल्पना राजेन्द्र जैन
5वी – ए

संस्कृति, विगोड़ा
साधना मनीष जैन
5वी – बी1

सार्थक, झांसी
नीरज जैन
5वी – 88%

आदित्य, भोपाल
रश्मि राजेश जैन
6टी – ए1

अपेक्षा, गंजबासौदा
ज्योति अमित जैन
6टी – 9.5 सीजीपीए

दीक्षा, भोपाल
सपना राजेश जैन
6टी – 9.5 सीजीपीए

स्नेहा, गंजबासौदा
सुनीता शैलेन्द्र जैन
6टी – 8.9 सीजीपीए

परी, गंजबासौदा
नीतू पवन जैन
6टी – 8.3 सीजीपीए

रितिका, गंजबासौदा
मेनका मनोज जैन
6टी – ए2

कृतिन, इन्दौर
मीना मनीष जैन
6टी – ए2

हर्षन, गंजबासौदा
शालिनी विनोद जैन
6टी – ए

दिशा, गंजबासौदा
सरिता राजकुमार जैन
6टी – ए

तनु, गंजबासौदा
सीमा–स्व. अनिल जैन
6टी – ए

अर्ची, इन्दौर
मनीषा मनीष जैन
6टी – ए

मान्या, गंजबासौदा
मीनू अनिल जैन
6टी – ए

अनिमेष, गंजबासौदा
कविता सुनील जैन
6टी – 7.2 सीजीपीए

नलिनी, गंजबासौदा
शालिनी जितेन्द्र जैन
7वी – 9.5सीजीपीए

शैली, गंजबासौदा
सविता अशोक जैन
7वी – 92.1%

अंकित, गंजबासौदा
रेनू संजय जैन
7वी – ए+

आस्था, गंजबासौदा
सरिता राजेन्द्र जैन
7वी – ए2

संस्कृति, गंजबासौदा
मोहिनी शैलेष जैन
7वी – 8.5 सीजीपीए

माही, इन्दौर
पदमा मनोज जैन
7वी – 93%

मानवी, गंजबासौदा
शालिनी विनोद जैन
7वी – 91.77%

सेंजल, गंजबासौदा
शिवानी सुरेन्द्र जैन
7वी – ए

तोषी, झांसी
अर्चना धर्णेन्द्र जैन
7वी – ए

सिद्धार्थ, गंजबासौदा
इंदु नेमीचंद जैन
7वी – 85.88%

चार्मी, इन्दौर
रेशू निशांत जैन
7वी – ए

पारस, इन्दौर
साधना प्रदीप जैन
7वी – बी1

सौम्या, गंजबासौदा
विनीता सुनील जैन
7वी – बी1

माही, गंजबासौदा
सारिका विकास जैन
7वी – बी1

अक्षत, इन्दौर
बिंजल आशीष जैन
7वी – बी1

सम्यक, छतरपुर
कल्पना पुष्पेन्द्र जैन
8वी – 97.43%

दिशा, छतरपुर
अर्चना रवीन्द्र जैन
8वी – 95.29%

आयुषी, ललितपुर
मीना–शैलेषकुमार जैन
8वी – 94.97%

सिद्धार्थ, गंजबासौदा
स्मिता कन्छेदीलाल जैन
8वी – ए1

ख्याति, गंजबासौदा
ज्योति जिनेन्द्र जैन
8वी – 96.2%

प्रांशी, गंजबासौदा
सुषमा जितेन्द्र जैन
8वी – ए+

उज्जवल, गंजबासौदा
भावना राजेश जैन
8वी – ए1

आशी, गंजबासौदा
प्रमिला भूषण जैन
8वी – ए2

प्रांजल, इन्दौर
रक्षा प्रवीण जैन
8वी – 8.9 सीजीपीए

आयुष, ललितपुर
मालती आशीष जैन
8वी – ए1

मैत्री, इन्दौर
पूर्णिमा भरतेष जैन
8वी – 8 सीजीपीए

शुभानी, गंजबासौदा
संध्या विनोद जैन
8वी – ए

सलोनी, गंजबासौदा
सरिता संजय जैन
8वी – बी1

अंकुश, झांसी
संगीता अनिल जैन
8वी – ए2

गोलालारीय दर्शन परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएँ ....

प्रांशु, गंजबासौदा
सुषमा जितेन्द्र जैन
9वी - 90%

अनुष्का, खरगोन
डॉ. कीर्ति अनुराग जैन
9वी - 9 सीजीपीए

हर्ष, विदिशा
साधना सुधीर जैन
9वी - 9.6 सीजीपीए

सौम्या, गंजबासौदा
कविता सुनील जैन
9वी - 7.8 सीजीपीए

मिशाल, गंजबासौदा
सीमा राजेश सिंघई
9वी - 9 सीजीपीए

आस्था, गंजबासौदा
रेखा अनिल जैन
9वी - बी

भूमि, विदिशा
मोहिनी राकेश जैन
9वी - 8.8 सीजीपीए

सम्यक, इन्दौर
सुषमा सुधीर जैन
9वी - 8.4 सीजीपीए

सृष्टि, इन्दौर
संतोष संदीप जैन
9वी - 8.4 सीजीपीए

महक, झांसी
मनोज जैन
9वी - 77%

श्रुतिका, झांसी
राशी राजेश जैन
9वी - बी +

खुशी, झांसी
अमित जैन
9वी - डी

अमीषा, इन्दौर
अर्चना नितिन जैन
10वी - 10सीजीपीए
सीबीएसई

अर्पिता, इन्दौर
अल्पना पवन जैन
10वी - 10सीजीपीए
सीबीएसई

सक्षम, गंजबासौदा
रेखा संजय जैन
10वी - 10सीजीपीए
सीबीएसई

सलोनी, गंजबासौदा
अर्चना राजेश जैन
10वी - 10सीजीपीए
सीबीएसई

श्रुति, गंजबासौदा
विनीता सुनील जैन
10वी - 10सीजीपीए
सीबीएसई

सात्विकी, जबलपुर
निधि सुनील जैन
10वी - 10सीजीपीए
सीबीएसई

संस्कार, इन्दौर
अनुपमा रजनीश जैन
10वी - 10सीजीपीए
सीबीएसई

परी, गंजबासौदा
रश्मि पंकज जैन
10वी - 10सीजीपीए
सीबीएसई

प्रतीक, भोपाल
रंजना राकेश जैन
10वी - 10सीजीपीए
सीबीएसई

सिद्धांत, गंजबासौदा
अनीता संजीव जैन
10वी - 9.8 सीजीपीए
सीबीएसई

मयंक, बिनौहा
साधना मनीष जैन
10वी - 9.6सीजीपीए
सीबीएसई

आरुषी, विदिशा
शशि विक्रम जैन
10वी - 9.8 सीजीपीए
सीबीएसई

प्रज्ञा, हरदा
श्रुतिज्ञा अनिल जैन
10वी - 9.4 सीजीपीए
सीबीएसई

कनिका, सागर
रागिनी कलमचंद्र जैन
10वी - 9.2सीजीपीए
सीबीएसई

हर्षित, गंजबासौदा
अरुणा सुरेशकुमार जैन
10वी - 9.2 सीजीपीए
सीबीएसई

संचिता, इन्दौर
नीतू सुधीर जैन
10वी - 9सीजीपीए
सीबीएसई

पर्व, गंजबासौदा
साधना राकेश जैन
10वी - 8.6सीजीपीए
सीबीएसई

आस्था, लिधौरा
चन्द्ररेखा अखिलेश जैन
10वी - 7.6सीजीपीए
सीबीएसई

तन्मय, ललितपुर
मधु प्रदीप जैन
10वी - 83%
आईसीएसई

स्वस्ति, झांसी
राखी प्रवीण जैन
10वी - 77%
आईसीएसई

गहना, छतरपुर
अर्चना रवीन्द्र जैन
10वी - 90.33%
बोर्ड

कृतिका, गंजबासौदा
अल्पना अनूप जैन
10वी - 89.5%
बोर्ड

अंकित, गंजबासौदा
दीपाली सुनील जैन
10वी - 75.33%
बोर्ड

लिवी, गंजबासौदा
भावना राजेश जैन
11वी - 97.2%

केशु, गंजबासौदा
उर्मिला विकास जैन
11वी - 92.52%

सम्मीक्षा, गंजबासौदा
रीना जयकुमार जैन
11वी - 90.6%

फाल्गुनी, गंजबासौदा
रजनी सुनील जैन
11वी - 87%

अमन, इन्दौर
रेखा अशोक जैन
11वी - 85.40%

निकिता, इन्दौर
अर्चना नितिन जैन
11वी - 82.60%

रितिका, झांसी
राशी राजेश जैन
11वी - बी+

उदित, इन्दौर
सविता दिनेश जैन
12वी - 87.6%
बोर्ड-पीसीएम

अपूर्वा, छतरपुर
कल्पना पुष्पेन्द्र जैन
12वी - 84.8%
बोर्ड-पीसीएम

शुभि, गंजी बागौरा
सविता सुनील जैन
12वी - 84%
बोर्ड-पीसीएम

रितिक, गंजबासौदा
रजनी राजेश जैन
12वी - 83.4%
बोर्ड-पीसीएम

श्रुति, गंजबासौदा
ज्योति प्रदीप जैन
12वी - 82.41%
बोर्ड-पीसीएम

आलोक, गंजबासौदा
सुषमा सुनील जैन
12वी - 79.4%
बोर्ड-पीसीएम

आयुष, विदिशा
साधना सुधीर जैन
12वी - 76.4%
बोर्ड-पीसीएम

गोलालारीय दर्शन परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएँ....

यश, गंजबासौदा
खुशबू शैलेन्द्र जैन
12वी – 75.60%
बोर्ड–पीसीएम

सक्षम, गंजबासौदा
निर्मला सुनील जैन
12वी – 73%
बोर्ड–पीसीएम

अनिमेष, इन्दौर
प्रतिभा अरविन्द जैन
12वी – 86%
सीबीएसई–पीसीएम

अभिषेक, गंजबासौदा
मीरा पवन जैन
12वी – 84.2%
सीबीएसई–कॉमर्स

प्रियांशु, गंजबासौदा
भारती संतोष जैन
12वी – 81.2%
सीबीएसई–कॉमर्स

आयुषी, गंजबासौदा
संगीता अजय जैन
12वी – 77.2%
एमपी बोर्ड–कॉमर्स

अभिषेक, झांसी
संगीता अनिल जैन
12वी – 79.4%
सीबीएसई

अनिमेष, छतरपुर
नीता प्रमोद जैन
12वी – 91.2%
सीबीएसई – पीसीएम

तीर्थेश रौशनी रुपेश जैन ने यूसीमास की टर्म 3 ग्रुप सी1 में चतुर्थ स्थान प्राप्त किया।

बायोडॉटा प्रारुप का विवरण

1.	क्रमांक	9.	वर्ण
2.	प्रत्याशी का पूरा नाम	10.	व्यवसाय
3.	स्वयं / मामा का गोत्र	11.	वार्षिक आय
4.	जन्म दिनांक	12.	कुंडली मिलान
5.	जन्म समय (रेल्वे समयानुसार)	13.	मंगली
6.	जन्म स्थान	14.	पत्र व्यवहार का पता
7.	शिक्षा	15.	फोन / मोबाईल नं.
8.	कद / वजन	16.	प्रत्याशी का ईमेल

प्रत्याशी का नवीन फोटो

1.	001		
2.	**अंकित अशोककुमार जैन**		
3.	बिलैआ/ओछलूरी कोछल्ल गौत्र		
4.	27.09.92	11.	3.00 लाख
5.	21.09	12.	हाँ
6.	नागौद	13.	नहीं
7.	बी.एस.सी	14.	जैन वस्त्रालय, सिंहपुर चौराहा नागौद, जिला सतना
8.	5'10''/–		
9.	गौर	15.	98435506456, 9826654147
10.	सर्विस – विप्स इंफोसोल	16.	-

1.	002		
2.	**यतीन्द्र (राहुल) चन्द्रमोहन जैन**		
3.	गोठ/फणीश		
4.	11.09.86	11.	5.00 लाख
5.	4.25	12.	–
6.	जरुवाखेड़ा	13.	नहीं
7.	एम.ए, बी.एड	14.	मु. पो. जरुआखेड़ा (सागर)
8.	5'10''/–		
9.	गोरा	15.	07879101114, 7584273273
10.	अतिथि शिक्षक	16.	-

1.	003		
2.	**वैशाली विलास जैन**		
3.	फणीस / वैद्य		
4.	1.08.90	11.	–
5.	7.20	12.	–
6.	इन्दौर	13.	–
7.	बी.कॉम फायनल	14.	30/4, परदेशीपुरा इन्दौर
8.	5'3''/–		
9.	गोरा	15.	9827309259, 9575975079
10.	सर्विस – केडिला कंपनी	16.	vilas31jain@gmail.com

1.	004		
2.	**प्रिया आनंद जैन**		
3.	गोट/फणीश		
4.	11.12.92	11.	–
5.	21.55	12.	हाँ
6.	तुमसर (महाराष्ट्र)	13.	–
7.	एम.सी.ए.	14.	प्रो. आनंद क्लाथ स्टोर्स तुमसर (महाराष्ट्र)
8.	5'5''		
9.	गोरा	15.	9403059915, 232423
10.	–	16.	-

1.	005		
2.	**रुचि अनिलकुमार जैन**		
3.	रावत/बिलैआ		
4.	3.12.91	11.	–
5.	16.20	12.	हाँ
6.	इन्दौर	13.	आंशिक
7.	एम.बी.ए. (फायनेंस)	14.	251/3, जनता कालोनी बड़ा गणपति, इन्दौर
8.	5'2''		
9.	गोरा	15.	9893005429, 0731-2415528
10.	प्रोफेसर–कॉलेज, इन्दौर	16.	-

1.	006		
2.	**राहुल अनिलकुमार जैन**		
3.	रावत/बिलैआ		
4.	18.02.87	11.	पांच अंकों में
5.	23.05	12.	हाँ
6.	इन्दौर	13.	हाँ
7.	एम.बी.ए.	14.	251/3, जनता कालोनी बड़ा गणपति, इन्दौर
8.	5'6''		
9.	गोरा	15.	9893005429, 0731-2415528
10.	होजयरी (निर्माता–विक्रेता)	16.	-

1.	007		
2.	**सुशील सुरेशचंद जैन (विधुर)**		
3.	पटवारी/पंचरत्न		
4.	02.07.83	11.	6.00 लाख
5.	5.10	12.	–
6.	इन्दौर	13.	–
7.	बी.कॉम	14.	40, आजाद नगर, मूसाखेड़ी रोड, इन्दौर
8.	5'7''		
9.	गेहुँआ	15.	9753271580, 9424012460
10.	व्यापार		

सर्वोदय श्रावक धर्म एवं आध्यात्मिक ज्ञान–ध्यान शिक्षण शिविर का भव्य आयोजन

अरविन्द जैन, विदिशा । परम पूज्य संत शिरोमणि आचार्य गुरुवर 108 श्री विद्यासागर जी महाराज के वरिष्ठ अज्ञानुवर्ती शिष्य परम पूज्य मुनि श्री 108 स्वभाव सागर जी महाराज एवं क्षुल्लक श्री देवानंदसागर जी महाराज के परम सानिध्य में गोलालारीय जैन भवन विदिशा में दिनांक 13 मई 2016 से 22 मई 2016 तक 5 वर्ष से लेकर 60 वर्ष तक की आयु के श्रावको के लिये एक शिक्षण शिविर का आयोजन किया गया है । उक्त शिक्षण शिविर को पांच वर्गो में विभक्त करके 5 से 8 वर्ष, णमोकार्य मंत्र एवं तीर्थंकर, 9 से 11 वर्ष भेद संग्रह, 12 से 16 वर्ष रत्नकरण्डक श्रावकाचार, 16 से अधिक आयु वर्ग के लिए (1) प्रश्न उत्तर माला एवं (2) संसारी जीवों का गमनागमन इष्टोपदेश पर प्रवचन आदि विषयों पर प्रति दिन तीन सत्रों में प्रशिक्षण दिया जावेगा ।

चातुर्मासी दोहे

– प्रदीप जैन
(टीवी फिल्म निर्माता)
दिल्ली

है वीतराग ही श्रेष्ठ धर्म सो जैन धर्म सरताज,
हैं वेष दिगम्बर धारी मुनिवर इन पर हमको नाज ।
सूक्ष्म जीव भी कष्ट न पावें, पाँव तले अनजाने में,
साधु साध्वी भ्रमण न करते इसीलिए चौमासे में ।
आत्म–साधना, शास्त्र पठन से करें आत्म कल्याण,
साधु–श्रावक पुण्य लाभ लें हैं चातुर्मास महान ।

नोट – स्थानाभाव के कारण वर्ग पहेली का प्रकाशन व अन्य लेखों का प्रकाशन आगामी अंक में किया जावेगा । आगामी अंक पर्यूषण विशेषांक रहेगा । आपके नगर की दस लक्षण पर्व की जानकारी मय फोटो सहित भेजे ताकि गोलालारीय दर्शन में उचित स्थान दिया जा सके । कृपया फोटो वाट्सएप्प पर ना भेजकर हमारे ईमेल पर ही भेजें ।

।। सादर श्रद्धांजली ।।

श्री दयाचंदजी बरेठावालो का देहांत गंजबासौदा दि. 31 मई को हो गया ।

श्रीमति गुलाबरानी धर्मपत्नी बच्चूलाल जैन का देहांत दि. 11 जून को खुरई में हो गया आप सरल स्वाभावी व धार्मिक विचारों की महिला थी

श्रीमति अशर्फीबाई धर्मपत्नी स्व. श्री कमलचंद जैन का देहांत 12 जून को विदिशा में हो गया है आपकी धार्मिक कार्यों में विशेष रुचि रहती थी

श्री बाबूलालजी का देहांत दिनांक 16 जून को इंदौर में हो गया आप सरल स्वाभावी व धार्मिक कार्यों में विशेष रुचि रखते थे आपकी स्मृति में परिवारजनों ने गोलालारीय दर्शन परिवार को 1100/–रु की राशि दान की है

गुन्नौर समाज अध्यक्ष **श्री किशोरीलाल जैन** का 80 वर्ष की उम्र में दिनांक 30 अप्रैल को पार्श्वनाथ तीर्थ क्षेत्र इन्दौर पर आचार्य श्री 108 प्रसन्न ऋषि जी महाराज व ब्र. पीयूष भैय्याजी के सानिध्य में देवगति गमन हुआ आप अपने क्षेत्र में होने वाले समस्त धार्मिक व सामाजिक कार्यों में हृदय से योगदान करते रहे ।

गोलालारीय दर्शन परिवार अपनी ओर से श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

नोट – शोक संदेशों का प्रकाशन जानकारी देने पर निशुल्क किया जाता है ।

समाज में आई शिथिलता का त्याग करें -

किसी समाज की गुणवत्ता उसके सदस्यों की गुणवत्ता पर निर्भर होती है, यहां गुणवत्ता से तात्पर्य है - उसके सदस्यों के आचरण से । अ.भा. दि. जैन गोलालारीय समाज का संगठन समाज को संगठित करने के साथ साथ अपने सदस्यों का सदाचरण बनाए रखने के लिए भी प्रयासरत रहा है जिसके लिए गोलालारीय समाज प्रारंभ से ही प्रसिद्ध रहा है ।

अपनी महाविद्यालयीन सेवा का प्रारंभ इन पंक्तियों के लेखक ने जबलपुर से 1969 में किया था । संभवत: 1971-72 में जबलपुर में क्षुल्लक श्री मनोहरवर्णी जी का प्रवास रहा था, तब उन्हें आहार कराने का सौभाग्य प्राप्त हुआ था, आहारोपरांत उन्हें मंदिरजी में छोड़ने जाते समय महाराजश्री से समाज के संबंध में चर्चा हुई थी, तब पू. श्री क्षुल्लकजी ने अपना स्पष्ट मत व्यक्त किया था कि गोलालारीय समाज का धर्म परायणता में प्रथम स्थान है - संपन्नता में भले ही पिछड़े हों किन्तु धार्मिक आचरण में सदा श्रेष्ठ रहे हैं । उनके कथन के अनुसार उस समय प्रख्यात पंडित, विद्वान यहां तक कि साधु भी (प्राय: गोलालारे या गोलापूर्व होते थे) स्वयं शास्त्रोक्त आचरण का पालन करते थे । आज यहां गोलालारीय समाज संपन्नता की और विकासोन्मुख है । उसके सदस्य व्यापार, व्यवसाय, शासकीय सेवा (डाक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक, चार्टर्ड एकाउण्टेंट, बैंक अधिकारी, सेना और पुलिस आदि विभागों में उच्च स्तरीय पदों पर पदस्थ है) में अग्रणी होते जा रहे हैं वही उनके आचरण में शिथिलता आती दिखाई दे रही है । हम अपने कुलाचार से दूर होते दिखाई दे रहे हैं । हमारा खान-पान, चौके के व्यवहार आदि में शिथिलता आती जा रही है । चूंकि व्यक्ति से ही समाज बनता है अत: समाज के संगठन को आदर्श संगठन बनाने के लिए उसके सदस्यों का आचरण भी आदर्श होना आवश्यक है ताकि गोलालारीय समाज की जो प्रतिष्ठा उसके पूर्वजों ने अर्जित की थी वह अक्षुण्ण बनी रहे और उसमें और वृद्धि हो । इस हेतु कुछ विनम्र सुझाव हैं -

1) कुलाचार का पालन - अपने को जैन कहलाने वाले व्यक्तियों को जैन कुलाचार का ज्ञान आवश्यक हैं । संक्षेप में कुलाचार में तीन बातें मुख्य हैं - (अ) नित्य देव दर्शन - प्रात:काल नैत्यिक क्रियाओं से निवृत्त होकर देवदर्शन एक अति आवश्यक कार्य मान कर इसका पालन करना चाहिये । बड़े नगरों में मंदिर कहीं कहीं बहुत मीलों दूर होते हैं । ऐसे स्थानों में मंदिर प्रात: न जा सके तो सुविधानुसार दिन रात में कहीं भी , कभी भी कम से कम एक बार देव दर्शन करना चाहिये । अपने द्वारा पूर्वोपार्जित या इसी भव में बांधे निधिति निकाचित कर्म जिन बिम्ब दर्शन से विनष्ट हो जाते है ।

(2) पानी छानकर पीना - छने पानी की मर्यादा एक अंतमुहूर्त अर्थात् 48 मिनिट है । गर्म पानी की 12 घंटे तथा उबले हुए पानी की 24 घंटे है । सामान्य छने पानी में लौंग, इलायची, सौंफ आदि का पावडर डाल लें तो वह 6 घंटे की मर्यादा का हो जाता है । हम बड़ी सरलता से छना पानी पीकर अपने कुलाचार की रक्षा कर सकते है - बस अपने बेग या जेब में एक छोटा सा दुहरा छन्ना रख लें - जहां भी सार्वजनिक नल या हेडपंप दिखे पानी छानकर पी ले - आफिस, दुकान, स्कूल आदि में अपनी स्वयं की पानी की बोटल रखे, उसमें पानी छान कर सौंफ आदि पावडर डाल ले । 6 घंटे की फुर्सत (पानी छानने की विधि आप जानते ही है या जिनवाणी में देख लें) इससे आपकी जैन होने की पहचान बनेगी और कुलाचार का पालन होगा ।

(3) रात्रि भोजन त्याग - सामान्यतया लोगों को कठिन लगता है पर वास्तव में उतना कठिन है नहीं । एक बार आदत बना लें तो वह अपनी दिनचर्या का अंग बन जाता है - प्रारंभ में समय की मर्यादा तो ली जा सकती है जैसे 7 बजे तक, 8 बजे तक आदि पर अंतिम उद्देश्य रात्रि भोजन, पानी आदि का सर्वथा त्याग ही होना चाहिए । रात्रि भोजन के त्यागी को 2 दिन में एक उपवास अर्थात एक वर्ष में 6 माह उपवास का फल मिलता है और स्वास्थ्य अच्छा रहता है । खाद्य, पेय, लेह और औषधि का रात्रि को पूर्ण त्याग करने वाले को हिंसा आदि के पाप नहीं लगने पाते ।

(4) मद्य, मांस, मदिरा, उदम्बरफलों का तथा सप्त व्यसनों का त्याग - वैसे भी जैन व्यक्ति मद्य, मांस, मदिरा व अंजीर गुलर, पाकर आदि के फलों का सेवन नहीं करता, नहीं शिकार, जुआ, चोरी, वेश्यागमन आदि में लिप्त रहता है । अत: इन्हें संकल्पपूर्वक गुरुजनों के पास बैठकर त्याग आवश्यक रूप से करना चाहिए ।

(5) सूतक पालन विचार - आजकल जन्म एवं मृत्यु सूतक पालन में काफी शिथिलता देखी जा रही है, जो धर्मानुकूल नहीं है । अब मृत्यु के तीसरे दिन ही शुद्धि कर तेरहवीं, पगड़ी आदि की रस्म पूरी की जाने लगी है जो न तो शास्त्रोनुकूल है और न ही वैज्ञानिक । प्रसिद्ध प्रतिष्ठाचार्य पं. गुलाबचंद 'पुष्प' ने सूतक पालन शास्त्रीय विश्लेषण' नामक एक लेख में धार्मिक, सामाजिक कार्यों का 'सूतक काल' में अनेक शास्त्रीय उद्धरणों एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण से निषेध किया है । इच्छुक पाठकगणों की मांग पर उक्त लेख की फोटोकॉपी करा कर भेज सकता हूँ । ऐसे पाठक अपना पूरा पता, फोन नं. तथा ईमेल पता अवश्य दें । आशा है गोलालारीय समाज के व्यक्ति इन बातों पर ध्यान दे कर अपनी खोती हुई पहचान एवं प्रतिष्ठा को पुर्नस्थापित करेंगे ।

- डॉ. प्रेमचंद जैन, बैंगलोर

21 जून
अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस -

अधिक प्राचीन हैं जैन योग की परम्परा

योग भारत की विश्व को प्रमुख देन है । यूनेस्को ने 2 अक्टूबर को अहिंसा दिवस घोषित करने के बाद 21 जून को विश्व योग दिवस की घोषणा करके भारत के शाश्वत जीवन मूल्यों को अंतर्राष्ट्रीय रूप से स्वीकार किया है । इन दोनों ही दिवसों का भारत की प्राचीनतम जैन संस्कृति और दर्शन से बहुत गहरा संबंध है । जैन श्रमण संस्कृति का मूल आधार ही अहिंसा और योग ध्यान साधना है । इस अवसर पर यह जानना अत्यंत आवश्यक है कि जैन परम्परा में योग ध्यान की क्या परम्परा, मान्यता और दर्शन है ? और वह कितना प्राचीन है ?

जैन योग की प्राचीनता और आदि योग - जैन योग का इतिहास बहुत प्राचीन है । प्राग ऐतिहासिक काल में प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव ने जनता को सुखी होने के लिए योग करना सिखाया । मोहन जोदड़ो और हडप्पा में जिन योगी जन की प्रतिमा प्राप्त हुई है उनकी पहचान ऋषभदेव के रुप में की गयी है । मुहरों पर कायोत्सर्ग मुद्रा में योगी का चित्र प्राप्त हुआ है, यह कायोत्सर्ग की मुद्रा जैन योग की प्रमुख विशेषता है । इतिहास गवाह है कि आज तक प्राचीन से प्राचीन और नयी से नयी जितनी भी जैन प्रतिमाएं मिलती हैं वे योगी मुद्रा में ही मिलती हैं । या तो वे खडगासन मुद्रा की हैं या फिर वे पद्मासन मुद्रा की हैं । खडगासन में ही कायोत्सर्ग मुद्रा उसका एक विशिष्ट रूप है । नासाग्र दृष्टि और शुक्ल ध्यान की अंतिम अवस्था का साक्षात रूप इन प्रतिमाओं में देखने हो सहज ही मिलती है । इन परम येागी वीतरागी सौम्य मुद्रा के दर्शन कर प्रत्येक जीव परम शांति का अनुभव करता है और इसी प्रकार योगी बन कर आत्मानुभूति को प्राप्त करना चाहता है ।

जैन योग की अवधारणा - अंतिम तीर्थंकर महावीर ने भी ऋषभदेव की योग साधना पद्धति को आगे बढ़ाते हुए सघन साधना की । उसका अनुकरण करते हुए उन्हीं के समान आज तक नग्न दिगम्बर साधना करके लाखों योगी आचार्य और साधु हो गए जिन्होंने जैन योग साधना के द्वारा आत्मानुभूति को प्राप्त किया । जैन साधना पद्धति में योग एवं संवर एक ही अर्थ में प्रयुक्त हैं । प्रथम शताब्दी के अध्यात्म योग विद्या के प्रतिष्ठापक आचार्य कुन्दकुन्द दक्षिण भारत के एक महान योगी थे उन्होंने प्राकृत भाषा में एक सूत्र दिया ''आदा में संवरो जोगो'' अर्थात यह आत्मा ही संवर है और योग है । जैन तत्व विद्या में जो संवर तत्व है वह ही आज की योग शब्दावली का द्योतक है ।

ध्यान की विशेषता - भगवान महावीर ने ध्यान के बारे में एक नयी बात कही कि ध्यान सिर्फ सकारात्मक ही नहीं होता वर नकारात्मक भी होता है । दरअसल आत्मा को जैन परम्परा ज्ञान दर्शन स्वभावी मानती है । ज्ञान आत्मा का आत्मभूत लक्षण है, किसी भी स्थिति में आत्मा और ज्ञान अलग नहीं होते और वह ज्ञान ही ध्यान है, चूँकि आत्मा ज्ञान के बिना नहीं अत: वह ध्यान के बिना भी नहीं । पढ़कर आश्चर्य लगेगा कि कोई ध्यान मुद्रा में न बैठा हो तब भी ध्यान में रहता है । महावीर कहते हैं मनुष्य हर पल ध्यान में ही रहता है, ध्यान के बिना वह रह नहीं सकता । ध्यान दो प्रकार के होते है - नकारात्मक और सकारात्मक । आर्तध्यान और रौद्रध्यान नकारात्मक ध्यान हैं तथा धर्म ध्यान और शुक्लध्यान सकारात्मक ध्यान हैं । मनुष्य प्राय: नकारात्मक ध्यान में रहता है इसीलिए दुखी है, उसे यदि सच्चा सुख चाहिए तो उसे सकारात्मक ध्यान का अभ्यास करना चाहिए । वह चाहे तो धर्म ध्यान से शुभ की तरफ आगे बढ़ सकता है और शुक्ल ध्यान को प्राप्त कर निर्विकल्प दशा को प्राप्त कर सकता है । इस विषय पर गहरी चर्चा जैन शास्त्रों में मिलती है । वर्तमान में आचार्य महाप्रज्ञ द्वारा प्रवर्तित प्रेक्षाध्यान एवं जैन योग देश में तथा विदेशों में काफी लोकप्रिय हो रहा है ।

जैनयोग के विविध आयाम - भगवान महावीर ने योग विद्या के माध्यम से साधना के कई नए आयाम निर्मित किये । जैसे - भावना योग, अनुप्रेक्षा, अध्यात्म योग, आहार योग, प्रतिमा योग, त्रिगुप्ति योग, पञ्चसमिति योग, षडआवश्यक योग, परिषह योग, तपोयोग, सामायिक योग, मंत्र योग, लेश्या ध्यान, शुभोपयोग, शुद्धोपयोग, संलेखना और समाधि योग आदि । एक साधारण गृहस्थ और मुनि की साधना पद्धति में भी भगवान ने भेद किये है । साधक जब घर में रहता है तो उसकी साधना अलग प्रकार की है जब वह गृह त्याग कर सन्यास ले लेता है तब उसकी साधना अधिक कठोर हो जाती है । आज भी जैन मुनियों की साधना और उनकी दिनचर्या उल्लेखनीय है ।

जैन योग साहित्य - जैन आचार्यों ने योग एवं ध्यान विषयक हजारों ग्रंथों का प्रणयन प्राकृत एवं संस्कृत भाषा में किया है । उनमें आचार्य कुन्द कुन्द के अध्यात्म योग विषयक पञ्च परमागम, अष्टपाहुड, पूज्यपाद स्वामी का इष्टोपदेश, सर्वार्थसिद्धी, आचार्य गुणभद्र का आत्मानुशासन, आचार्य शुभचन्द्र का ज्ञानार्नव, आचार्य हरिभद्र का योग बिन्दु, योगदृष्टि समुच्चय आदि दर्जनों ग्रंथ आचार्य योगेन्दु देव की अमृताशीति, जोगसारू आदि, आचार्य हेमचन्द्र का योगदर्शन आदि प्रमुख है । आधुनिक युग में भी आचार्य विद्यानंदजी, आचार्य विद्यासागरजी, आचार्य तुलसी, आचार्य महाप्रज्ञ, आचार्य शिवमुनि, आचार्य हीरा, आचार्य देवेन्द्र मुनि, आचार्य आत्माराम आदि अनेक संतों द्वारा तथा अनेक जैन अध्येताओं द्वारा ध्यान योग पर काफी मात्रा में शोध पूर्ण साहित्य का प्रकाशन हुआ है तथा निरंतर हो रहा है । भारतीय योग विद्या को श्रमण संस्कृति का योगदान इतना अधिक है कि उसकी उपेक्षा करके भारतीय योग विद्या के प्राण को नहीं समझा जा सकता । वर्तमान में प्रसन्नता का विषय है कि योग को सरकारी स्तर पर पाठ्यक्रमों में सम्मिलित किया जा रहा है, मेरा निवेदन है कि पाठ्यक्रमों में योग को पढ़ाते समय श्रमण संस्कृति की योग विद्या से भी अवश्य अवगत करवाना चाहिए ।

संकलन - अरुणा जैन, जबलपुर

20 अप्रैल 2016 को श्याम वाटिका, डबरा (म0 प्र0) में सम्पन्न पाणिग्रहण संस्कार पर हार्दिक बधाई, आशीर्वाद एवं शुभकामनायें

चि0 अनिकेत जैन
सुपुत्र डॉ0 कपूर चन्द जैन–डॉ0 ज्योति जैन
खतौली (मुजफ्फरनगर) उ0 प्र0

सौ0 कां0 राखी जैन
सुपुत्री सिंघई प्रेमचन्द जैन–श्रीमती आशा जैन
डबरा (ग्वालियर) म0 प्र0

मामा पक्ष

– योगेश कुमाार भंडारी (मामाजी)
– एड0 नरेन्द्र कुमार भंडारी (मामाजी)
– अनुराग भंडारी (भाई)
– अमित भंडारी (भाई)
– अंकित भंडारी (भाई)
– प्रशम भंडारी (भाई)
– हितेश भंडारी (भाई)
– कृष्णराज भंडारी
एवं समस्त भंडारी परिवार, सागर (म0 प्र0)

– डॉ0 कपूरचंद–डॉ0 ज्योति जैन, खतौली (पापा–माँ)
– इंजी0 कार्तिक जैन–श्रीमती रेशी जैन, पूना (भाई–भाभी)
– कोमलचंद जैन, अहमदाबाद (ताऊजी)
– देवेन्द्र कुमार जैन, अहमदाबाद (चाचाजी)
– सी0 ए0 सुमत कुमार जैन, झाँसी (चाचाजी)
– संजीव कुमार जैन, अहमदाबाद (भाई)
– पारस जैन, अहमदाबाद (भाई)
– वैभव जैन, विभु जैन, झाँसी (भाई)
एवं समस्त बरघुवाँ (दतिया) म0 प्र0 परिवार

नवदाम्पत्य जीवन की हार्दिक शुभकामनाएँ

चि. जेकी (B.Tech)
सुपौत्र : स्व. श्रीमती शांतिबाई–स्व. श्री कुंदनलाल जैन
सुपुत्र : श्रीमती उषाबेन–राजेशकुमार जैन, अहमदाबाद

संग
का
मंगल परिणय

सौ.कां. पूर्वी (M.Sc. IT)
सुपौत्री : श्रीमती श्रीबाई–मक्खनलाल जैन
सुपुत्री : श्रीमती सुमनबेन–अरुणकुमार जैन, अहमदाबाद

22 अप्रैल 2016 को प्रसंगम पार्टी प्लाट, अहमदाबाद में साआनंद संपन्न ।

प्रतिष्ठान – * सोनल प्रोविजन स्टोर्स * बिल्डर्स एंड कंपनी * साहिल ऐजन्सी * जे.के. ऐन्टरप्राईज * भाईजी जनरल स्टोर्स (मालथोन)

पत्रिका में प्रकाशित विचार लेखकों के अपने है, सम्पादक मण्डल का इससे सहमत होना आवश्यक नहीं है । किसी भी प्रकार का विवाद होने पर न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा ।

स्वामी श्री गोलालारीय दिगम्बर जैन समाज न्यास के लिए प्रकाशक, मुद्रक बाहुबली जैन द्वारा प्रकाशित प्रतीक्षा ग्राफिक्स127, देवी अहिल्या मार्ग इन्दौर से मुद्रित एवं ग्राफिक्स ज़ील कम्प्यूटर एंड ग्राफिक्स 356, तिलक नगर श्री गोलालारीय दि. जैन समाज न्यास, 64, न्यू देवास रोड़, इन्दौर (म.प्र.) से प्रकाशित